

'विदेह' ३४३. म अंक ०१ मई २०२२ (वर्ष १३. मास ११३ अंक ३४३.)

ई अंकमे अछि:-

१. गजेन्द्र ठाकुर- संघ लोक सेवा आयोग/ रिहाय लोक सेवा आयोगक परीक्षा
नेन मैथिली (अनिरार्य आ अक्षिक) आ आन अक्षिक विषय आ सामान्य ज्ञान (अंग्रेजी
माध्यम) हेतु सामग्री [एन.टी.ए.- यू.जी.सी.-नेट-मैथिली नेन सेहो] [STUDY
MATERIALS FOR UPSC (UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION) &
BPSC (BIHAR PUBLIC SERVICE COMMISSION) EXAMS - MAITHILI
(COMPULSORY & OPTIONAL) AND OTHER OPTIONALS AND GENERAL
STUDIES (ENGLISH MEDIUM)] [FOR NTA-UGC-NET-MAITHILI ALSO]

२.१. आशीष अनचिन्हाव- बाम लोचन ठाकुरजीक गद्य बचना

२.२. वरिन्द्र नावायण मिश्र- मातृभूमि (उपन्यास)- चाबिम थैप

२.३. डा. किशोर कावीगव- रीहनि कथा- रौरा भङ्ग कठाम्

२.४. झुल्लाजी- रीहनि कथा- दायिब्र

२.५. डा. किशोर कावीगव- मिथिला मैथिली के नाम पर दलनपनी आ चलकपनी

२.६. संतोष कुमार बाय 'रंठेली'- डायरी- 'नर यू टू'

Go to the link below for download of old issues of VIDEHA
Maithili e magazine in .pdf format and Maithili Audio/
Video/ Books/ paintings/ photo files. विदेहक पुरान अंक आ
ऑडियो/ रीडियो/ पोथी/ चित्रकला/ फोटो सभक फागन सभ डाउनलोड करबाक हेतु
नीचाँक लिंक पर जाउ।

विदेह:मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्



VI DE HA ARCHI VE विदेह पेठाव



View Vi de ha googlegroups (since July 2008)



view Vi de ha Facebook Official Group (since January 2008)– for announcements

१. गजेन्द्र ठाकुर

[संघ लोक सेवा आयोग/ रिहाव लोक सेवा आयोगक परीक्षा नेन मैथिली (अनिरार्य आ ँष्टिक) आ आन ँष्टिक रिषय आ सामान्य ज्ञान (अंग्रेजी माध्यम) हेतु सामिथी]

[एन.टी.ए.- यू.जी.सी.-नेट-मैथिली नेन सेहो]

[STUDY MATERIALS FOR UPSC (UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION) & BPSC (BIHAR PUBLIC SERVICE COMMISSION) EXAMS – MAI TH I L I (COMPULSORY & OPTIONAL) AND OTHER OPTI ONALS AND GENERAL STUDIES (ENGLISH MEDI UM)]

[FOR NTA-UGC-NET-MAI TH I L I ALSO]

यू. पी. एस. सी. (मेन) २०२० ऑप्शनन: मैथिली साहित्य रिषयक टेस्ट सीरीज

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

यू.पी.एस.सी. क प्रिनिमिनरी परीक्षा २०२० सम्पन्न भऽ गेल अछि । जे परीक्षार्थी एहि परीक्षामे उत्तीर्ण कबताह आ जँ मेन्समे हुनकर अप्पन रियस मैथिली साहित्य हेतहि तँ ओ एहि टेस्ट-सीरीजमे सम्मिलित भऽ सकैत छथि । टेस्ट सीरीजक प्रारम्भ प्रिनिमिनरी विजलक तऽकोन रौद होयत । टेस्ट-सीरीजक उत्तर रिद्यार्थी स्कैन कऽ editorial.staff.videha@gmail.com पर पठा सकैत छथि, जँ मेन्स परेरेमे अमोर्ज होयत तँ ओ हमर द्वाइअप नम्बर 9560960721 पर सेहो प्रश्नोत्तर पठा सकैत छथि । संगमे ओ अपन प्रिनिमिनरी एडमिशन कार्डक स्कैन कऽ कऽपी सेहो रेबिफिकेशन लेन पठावथि । परीक्षामे सब प्रश्नक उत्तर नहि देमय पढ़ैत छैक अदा जँ टेस्ट सीरीजमे रिद्यार्थी सब प्रश्नक उत्तर देताह तँ हुनका लेन श्रेयस्कर बहति । विदेहक सब स्कीम जेकाँ ओहो पूर्णतः निःशुल्क अछि । - गजेन्द्र ठाकुर

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिरीज सर्रिसेज (अथा) परीक्षा, २०२० मैथिली (ऐच्छिक) लेन टेस्ट सीरीज/ प्रश्न-पत्र- १ आ २

TEST SERIES -1

TEST SERIES -2

[एन.टी.ए.- यू.जी.सी.-नेट-मैथिली लेन/ FOR NTA-UGC-NET-MAITHILI]

NTA-UGC-NET-MAITHILI _01

NTA-UGC-NET-MAITHILI _02

NTA-UGC-NET-MAITHILI _03 (श्री शम्भु कुमार सिंह द्वारा संकलित)

Videha e-Learning

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्



MAI THI LI (COMPULSORY & OPTI ONAL)

UPSC MAI THI LI OPTI ONAL SYLLABUS

BPSC MAI THI LI OPTI ONAL SYLLABUS

मैथिली प्रश्नपत्र- यू.पी.एस.सी. (ऐच्छिक)

मैथिली प्रश्नपत्र- यू.पी.एस.सी. (अनिरार्य)

मैथिली प्रश्नपत्र- बी.पी.एस.सी.(ऐच्छिक)

मैथिलीक रतनी

१

भाषापक

२

मैथिलीक रतनीमे पर्याप्त रिरिधता अछि । मूदा प्रश्नपत्र देखना उतब एकब रतनी गछु BMAF001 सँ प्रेषित बुझागत अछि, से एकब एकबा एक उतब हामे उनठा-पुनठा दियो, ततरे धरि पर्याप्त अछि । यू.पी.एस.सी. क मैथिली (कम्पनसबी) पेपब नेन सेहो ३ पर्याप्त अछि, से जे रिरिधता मैथिली (कम्पनसबी) पेपब नेन छथि से एकब एकठा आब हामे-बीडिंग दोसब-उतब हामे कबथि।

I GNOU गछु

BMAF-001

विदेह:मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

MAI THI LI (OPTI ONAL)

TOPI C 1 [Place of Maithili in Indo-European Language Family/ Origin and development of Maithili language (Sanskrit, Prakrit, Avhatt, Maithili) भारोपीय भाषा परिवार मध्य मैथिलीक स्थान/ मैथिली भाषाक उद्भव ओ विकास (संस्कृत, प्राकृत, अवहट्ठ, मैथिली)]

TOPI C 2 (Criticism- Different Literary Forms in Modern Era/ test of critical ability of the candidates)

TOPI C 3 (ज्यातिवीथि, रिद्यापति आ गोरिन्ददास सिनेरसमे छथि आ बसमय करि चतुब चतुबजु रिद्यापति कानीन करि छथि । एतय समीक्षा शृंखलाक प्रावस्तु कवरसँ पूर्व चाक गोठेक शिद्धारनी नर शिद्धक पर्याय संग देन जा बहन छथि । नर आ प्रवान शिद्धारनीक ज्ञानसँ ज्यातिवीथि, रिद्यापति आ गोरिन्ददासक प्रश्नातुवमे धार आओत, संगहि शिद्धकोष रङ्गनासँ खाँटी मैथिलीमे प्रश्नातुव निखरामे धाथ आहु-आहु खतम होयत, नेथनीमे प्रवाह आयत आ सृष्टा भारक अभिराजि भय सकत ।)

TOPI C 4 (रैदीनाथ आ शिद्धारनी आ मिथिलाक प्रथि-मञ्जु शिद्धारनी)

TOPI C 5 (रैनु एडीशन- प्रथम पत्र- नौबिक गाथामे समाज ओ संस्कृति)

TOPI C 6 (रैनु एडीशन- द्वितीय पत्र- रिद्यापति)

TOPI C 7 (रैनु एडीशन- द्वितीय पत्र- पद्य समीक्षा- रानगी)

TOPI C 8 (रैनु एडीशन- प्रथम पत्र- नौक गाथा नृ नाटक संगीत)

TOPI C 9 (रैनु एडीशन- द्वितीय पत्र- यात्री)

TOPI C 10 (रैनु एडीशन- द्वितीय पत्र- मैथिली बामायण)

TOPI C 11 (रैनु एडीशन- द्वितीय पत्र- मैथिली उपन्यास)

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमहि संस्कृतम्

TOPI C 12 (रैनु एडीशन- प्रथम पत्र- शिद्ध रिचाव)

TOPI C 13 (तिवहता निपिक उद्धर ओ रिकास)

TOPI C 14 (आधुनिक नाटकमे चित्रित निर्धनताक समस्या- शिद्ध
रुमार सिंह)

TOPI C 15 (स्वातंत्र्ययोउव मैथिली कथामे सामाजिक
समबसता- अरुण रुमार सिंह)

TOPI C 16 (यू. पी.एस.सी. मैथिली प्रथम पत्रक परीक्षार्थी
हेतु उपयोगी संकनन, मैथिलीक प्रमुख उपभाषाक क्षेत्र आ ओकव प्रमुख विशेषता,
मैथिली साहित्यक आदिकान, मैथिली साहित्यक कान-निर्धारण- शिद्ध रुमार
सिंह)

TOPI C 17 (मैथिली आ दोसव पुरविआ भाषाक रीचमे सम्वन्ध
(बांग्ला, असमिया आ ओडिआ) [यू.पी.एस.सी. सिनेरस, पत्र-१, भाग-“ए”, हम-३.])

TOPI C 18 [मैथिली आ हिन्दी/ बांग्ला/ भोजपुरी/ मगही/
संथाली- रिचाव लोक सेरा आयोग (बी.पी.एस.सी.) केव सिरीन सेरा परीक्षाक मैथिली
(ऐहिक) रिषय नेन]

.....
GENERAL STUDIES (PRELIMINARY & MAINS)

GS (Pre)

TOPI C 1

GS (Mains)

NCERT-ENVIRONMENT CLASS XI-XII

NCERT PDF I-XII

TN BOARD PDF I-XII

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम

मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् "विदेह" ३४५ म अंक ०१ मई २०२२ (वर्ष १५ मास १७३ अंक ३४५)

ALL I N D I A R A D I O E N G L I S H N E W S

ALL I N D I A R A D I O N E W S A R C H I V E

ALL I N D I A R A D I O T A L K S A N D C U R R E N T A F F A I R S

R A J Y A S A B H A T V N E W S D I S C U S S I O N S

S A N S A D T V

O T H E R O P T I O N A L S

I G N O U e G Y A N K O S H

(अनुवर्तते)

-गजेन्द्र ठाकुर

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

ISSN 2229-547X VIDEHA

१.१. आशीष अनचिन्हाव- बाम नोचन ठाहवज्जीक गद्य बचना

१.२. वरीन्द्र नावायण मिश्र- मातृभूमि (उपन्यास)- चाबिम थैप

१.३. डा. किशोर कारीगर- रीहनि कथा- राँची भुज कठाम्

१.४. झुनझुनी- रीहनि कथा- दायिह

१.५. डा. किशोर कारीगर- मिथिला मैथिली के नाम पब दननपनी आ चनकपनी

१.६. संतोष कुमार बाय 'रुंठेली'- डायरी- 'नर यू हू'

आशीष अनचिन्हाव

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

बाम नोचन ठाकुरजीक गद्य बचना

कार्य माने बचना से चाहे जे बचना हो । रँहृत नोक जानि-रूमि कइ अपन स्मार्थ सिद्ध करौक नैन कार्याकेँ मात्र करिता धवि नइ जागत छथि । बचनाकाबक अपन प्रपञ्चित हिमार्सँ कार्य केव प्रपञ्ति भइ जागत छै जाहिमे दू ठाँ अन्ध श्रवृति तोकन गेन पहिन सबस दोसब शुष्क । सबस कार्याकेँ पद्य कहन गेन तँ शुष्क कार्याकेँ गद्य । आरँ पद्यामे डुंद, कथन एरँ रर्णिक हिमार्सेँ रँहृत भेद भेन जेना ऋचा, मंत्र, गाथा, महाकाव्य, गीत गजन, आधुनिक करिता तेनाहिने गद्यामे रँहृत भेद भेन जेना थिम्सा, कथा, उपन्यास, समीक्षा, आलोचना, लेख, निर्रंध रंग्य कथा आदि-आदि ।

आधुनिक युगमे गद्य केव प्रधानता भेन अदा ताहि संगे एकठाँ भ्रम सेनो शुक भेन । भ्रम आ जे किछ नोक गद्यकेँ मात्र कथा-उपन्यास धवि नइ जागत छथि । एहन नोक सभकेँ कहैत छथि जे गद्य नीखू अदा हुनकव दृष्टि, मात्र कथा बहैत छनि । कथाकाव-उपन्यासकाव सभ लेख, निर्रंध, आलोचना, नाटक आदिकेँ गद्य मानिते लै छथि । लेखकेँ एहि तबहक भ्रमसँ रँचि कइ बहरौक चाही ।

बामनोचन ठाकुर मैथिली गद्यमे नीक काज केने छथि आ से गद्य केव रिभिन्न रूपमे जेना नाटक, लेख-निर्रंध, रंग्य, कथा, संपादकीय, अनुवाद आदि । जँ एकबा हम रर्गीकवण करी तँ एना हएत--

- 1) अनुवादित नाटक-जादूगव, हाँस, बिहर्मन, चावि पहव, किशुन जी रिशुन जी, राह रे रँचा बाम (6 ठाँ पौथी)
- 2) रंग्य- रँतान कथा (1 ठाँ पौथी)
- 3) मैथिली नोककथा (1 ठाँ पौथी)
- 4) आलेख-निर्रंध- स्मृतिक धोखबन बंग, आँथि अनने आँथि खोनने (2 ठाँ पौथी)
- 5) अनुवादित उपन्यास- पद्या नदीक माँसी, नन्दिनबके, कठपुतवी नाचक गतिकथा, थ्याछी संधान, बानी गागदिन्नु (5 ठाँ पौथी)
- 6) आमकथा- सागव नहवि समाना (1 ठाँ पौथी)

करिताक संग बामनोचनजी नाटकमे काज केनाह से काज भने अनुवाद किएक ने हो । आ नाटकक अनुवाद बामनोचनजीक गद्यकेँ रँसी ठोस केनक । नीक नाटक नैन

विदेह:मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

छोठ राका रैसी प्रभारी होगत छै । नाठकेक प्रभार थिक जे बामनोचनजीक आन गद्यक राका छोठ छि । आन काज संगे आनोचक बामनोचन ठाकुरजीक भाषापब काज कबथि तँ नीक रिषय भऽ सकैए । एहिठाम हम मात्र संकेत केनहुँ छि । साहित्यसँ हठि हम किछु कान नैन फिकेठ दिस चली । एहि खेनमे किछु एहन खेनाड ी भेनाह जिनका रौरेमे रिशेषतऽ सब कह छथि जे ओ सब अपन खेन रौनब तौबपब शुक केने बहथि जेना सनथ जयसूर्या, मनोज प्रभाकर, बरि शम्शरी, शोएर मनिक आदि । झुदा ए सब रौदमे रैठिगमे आरि गेनाह एरं अंतमे हिनकर सबहक पहिन पहिचान रैठिसमैन केब भऽ गेन ।

एहन धरि बामनोचन जीक हन 16 ठा पौथी गद्य केब छि आ हन 8 ठा पौथी पद्य केब । एहि 16 ठामे ओ संपादकीय सब जोडरँ रौकी छि जे कि ओ रिभिन्न पत्रिकाक संपादन क्रममे निखने छथि । एकर मतनरँ जे समग्र रूपमे बामनोचनजीक गद्य केब संख्या पद्यसँ रैसी छि । अगठाम आरि हम जोब दऽ कऽ कहरँ जे बामनोचन ठाकुर अपन साहित्य भने पद्यसँ शुक केने हेताह झुदा ओ भेनाह गद्यकाब । संगमे गहो हम जोडरँ जे ओ अपन साहित्यिक यात्राक रौचसँ जे गद्यकेँ पकडननि से ओ अंत धरि नै छुठननि आ तँग हनकर अंतिम समयक बचना सब गद्य ठामे भेठत ।

आरि बामनोचन ठाकुरजीक पहिचान गद्यकाब रूपमे छनि ।

(३ अग्रेन २०२२ केँ मिथिला विकास परिषद, कोनकाता द्वारा कार्यक्रममे पठित)

अपन मंतरा editorial.staff.videha@gmail.com पब पठाड ।

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

बरीन्द्र नावायण मिश्र

मातृभूमि (उपन्यास)- चारिम खेप

मातृभूमि

8

जहिना सोना आगिमे तपउनासँ आओव चमकए नगेत अछि तहिना स्वसंगति पारि
शिवदार्जुनमेज यन्त्रक प्रतिभा चबमोकेषपव पहुँचि गेल ।

आश्रमरामी रिद्यार्थी नोकनि आचार्यजीक संग रसंतपचमीक अरसवपव सबसुती
आवाधनामे तल्लीन छुनाह । जानकीधामक समस्त रिद्वान आनग-पामक प्रतिष्ठित
नोकसभ एहि कार्यक्रममे आमंत्रित छुनाह । कानीकान्तु स्वयं सभ काज छोडि
एहि कार्यक्रममे भाग नए बहन छुनाह । कार्यक्रमक प्रारंभ सबसुती रंदनासँ भेल ।

"रवदे ! रीणारादिनी रव दे....."

" रिद्यार्थी नोकनि एहि गीतक समस्त पाठ कए बहन छुनाह । स्ववक मधुवता आरिद्यार्थी
नोकनिक समर्पणभारसँ के नहि प्रभावित छन ? अनकव तँ गप्प छोडू ।
कानीकान्तु स्वयं प्रार्थना समाप्त होगतहि आसन छोडि रिद्यार्थीसभ नग पहुँचि कहैत
छथि-

" ए रानक के छथि ? हिनकव स्ववमे तँ जेना सबसुतीक साक्षात रस अछि । हम
हिनकव दर्शन कए धन्य छी । धन्य छथि हिनकव आचार्य आएहि आश्रमक समस्त रिद्यार्थी
नोकनि । "

अपन शिष्यनोकनिक एहि तबहें प्रशंसा सुनि आचार्यजी गद-गद भए गेलाह ।

" ए सभ अपनके मन्त्र-ढायामे भए बहन अछि । बिना अपनके अनुकंपाकेँ एहिठाम
किछु संभर नहि छन । "

" ए अपनके महानता अछि आचार्यरव ! से कहि कानीकान्तु अपन गवदनिमेसँ हीवाक
हाव निकानि जयन्त्रकेँ पहिबेरौक प्रयास केननि ।

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

"स्ममा कएन जाए । ई आबूषण अपनेकेँ शोभा दैत छि । हमबा एकब कोन प्रयोजन ? "- से कहि जयन्त हीबाक हाव कानीकाबुकेँ रापस कए देनाह ।

"हिनका स्ममाकएन जाए । ई रौनक कौनिक संस्कारसँ रौनहन छथि । ई ककरो सँ किछु नहि नेरौक संकल्पकेने छथि । '

कानीकाबु छुगुन्नामे पडि गेनाह ।

"कोनो रात नहि । हिनकव भारनाक हम सम्मान करैत छी । जखन कখনो हमबासँ किछु सहायताक प्रयोजन होग तँ अरथ सृचित कबर । "-से कहि कानीकाबु प्रस्थान कए गेनाह ।

(अन्तराते)

अपन मंतरा editorial.staff.videha@gmail.com पब पठाउ ।

विदेह:मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

डॉ. किशन कारीगव

रौहनि कथा- रौरा भुज कठाम्

रौरा- ए हौ मैथिलीयो मे पत्रकाविता होग छै आ सम्मानो रौठा बहने की ?

भुज- हँ त्रैमासिक साहित्यिक पत्रिका सरँके पत्रकाविता कैह देन जाग छै. मैथिली दैनिक रा चैनन बहिते त मैथिलीरना धनछोहा ?

रौरा- ए हौ साहित्यिक दानन सरँ सेहो खूँ कवामात करै नागन ?

भुज- ए सरँ त शैयब आ कोठा दानन के पछुआ देनकै ? दानने दानन ?

रौरा- रँवहम रौरा तोहरे भरोसे ? हे डागन जोगिन के तकैत बछ ?

भुज- हे मिमिया रानी दाग सरँ ? नोक नृ केह आरो अंधरिश्वास के रँठ १७ ?

रौरा- मोछ के मधमनी दिस घुमा देरँ ? नहान मे आँखि के अपवेशन कवा देरँ ?

पामव रँना चशमा पहिवा देरँ ?

भुज- यौ रौरा हम छी अहाँ के हेंस मिस ने कक डिन्नी रँझग कमाग के टेंस ?

नोगी डेंस नोगी डेंस

-डॉ. किशन कारीगव (मूल नाम- डॉ. प्रह्लाद कुमार बाय)

ए बचनापव अपन म'तर editorial.staff.videha@gmail.com पब पठाउ ।

अज्ञाजी- रौहनि कथा

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

दायिद्व

हे, ग सरी बाथि नियय, हम जाग छी । आम, नीची, थम्कथा, मातु सरी रैवा नियव दू दिन सँ
रैल छन, थम्कथा जगत ।

जा , एखने एनिये कत' जेरै ?

गाम, अपन राम पव आओव कत' , ओकव रौद त' स्वर्गे आओव कत' ?

से नै, एखने एनिये दू दिनक धैर्यक समायन । नगने हेल.... !

हो, तोवा सरैकेँ एरौ मे असोकर्ज छन, तो त' पवाधीन छह, हम त' खुल्ला । तो सरी
हजाव- रौवह सए कोस पव बह' की चान पव । हम अपन रैनही रौम उँघरा मे
एखनो सम्म छी ।

ठीक छै, सरी हशेन बह' !

रौरू जी, एकव सरैहक थगतक बिबिध नमबिते बह छै । पूव होग रैना नै ।

तोहव रौमक बखराव हम ?

ई बचनपव अपन मंतर editorial.staff.videha@gmail.com पव
पठाउ ।

डाँ किशेन काबीगव

विदेह:मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

मिथिना मैथिनी के नाम पब दननपनी आ चनकपनी

मिथिना मैथिनी के कहुँ यथार्थ ये मैथिनी नामे दननपनी कबरँ पेठ पौसरँ आ चनतपनी हिराक जे मैथिनी सरँहक छियेथ ? की जे राबहो रँवण के भवमौले बहरँ आ अप्पन सुखार्थ सिद्ध करैत बहरँ आ नोको के अप्पन रुष्टा नै रूमह देरै. मिथिना मैथिनी नाम पब कतेको दनान आ तेकब गिरोह सफ़िय बहन आ मैथिनी नामे नाभ ओकरे ठाँ भेटैत बहने.

अहाँ कनियो जागकक ही क रँनू त ओग दनान सरँ से पूछछ जे मैथिनी राबहो रँवण के निखरँ राजरँ के मोजब हूथ देनके की ? तोबा माग के रौन के संपादित कब जरँबदस्ती मानकीकबण कब देन जाग होडुँ केने ? की हुँ सरँ अप्पन माएक रौन छोडनके ? त हेब तोबा किए अप्पन रौनी छोडुँ ? देन जाग होडुँ ? तोबा अक पिछनगू रँनि अकबा मान नै छुह ? तोरो अक त अप्पन मागके रौनी गिबरी बाथ दननपनी कबने हिरै छुह. मानकी दनान के त अप्पन माएक रौनी छै ओकबा नाभे नाभ. तोबा अक के की भेटैतो घबिघँठा ?

मिथिना मैथिनी नाम पब दननपनी के आबँत:

1. जहिँ मैथिनी महासभा गठित भेल तहिये से मैथिनी दवरौबी दनान सरँहक कछ्छा मे आरि गेलै. हुँ सरँ सुनियोजित कपे मैथिनी अमैथिन आ मानक के डांगब थीछ अप्पन आधिपत प्रभार जमौने शुक केनक.
2. लोकभाषा मैथिनी के मानकी रँना ततेक ओमबा देन गेलै जे आम जन मैथिनी स दूर होगत गेलै. येह त मैथिन दनान सरँ चाहित बह जे राबहो रँवण के मैथिनी नै बछ आ गिरोह महासभा रना सरँ सरँठा फायदा नूँटैत बहरँ.
3. राबहो रँवण के मैथिनी निखरँ राजरँ के मोजब नै केनके आ नै हूथ देनके ? तकबा बाडुँ कोसिकन्हा ठेठा, मधेसी दैछपाहा पैंछमाहा रौनी रँना कहा प्रसारित केनके ? खानी मानक ठाँ के मोजब हूथ देनके आ ग सँ अप्पन दननपनी दाँ सुतारैत बहन.
4. साहित्य अकादमी मे मैथिनी के मान्यता के राँद त अग पेठपौसुआ दनान सरँके दू हाथे नड्ड. अकादमी प्रवक्ताबक दनानी गिरोहराँदी होहकारी केकरो स छुपित नै

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

बहने. येह सरँठा साहित्य मेरी आ अन्नका ककरो साहित्य निखरौक नृगडु भास ले छै. येह रात प्रचारित कबरी ए सरँ अप्पन साहित्यिक बोठी सेकैत बहन.

5. मिथिना मैथिली के नाम पब कुरुबहुता जेका संस्था सरँ रँनने. हुमारी तिमाली दृमासिक पत्रिका छापरी शुक कएन गेलै. आ तेकब पहुँच परिनक तक कोनो पहुँच ले बहने. ह गिरोहक लोक सरँ एक दोसब के करि कथाकाव उपन्यासकाव समीक्षक लेखक के तगमा रँठैत बहने आ मैथिली नामे नाभ नृठैत बहने.

6. मैथिली मे पछुआएन लोक, रिना चिन्हा पबिछे रना, सोनकन, दनित लेखक सरँके कोनो मोजब ले देन गेलै ? ले ए सरँ आंदोलन क अप्पन मोजब ले गेन ? उनठे मैथिल दनान सरँहक ह मे ह मिना मानक मानैत गेन आ मंच नोभे अप्पन मौनिक रौनी के संपादित कवा मानक रँजैत गरैत भजैत गेन.

7. राजपेयी जी के शासनकाल मे रँभनौती खेना स मैथिली के अग्रम सूची मे जोडु १ देन गेलै. अंग के रँद त ए दनान सरँ रँनगाम होगत गेलै. मिथिना मैथिली नामे मनमाना करैत गेन. के रोकते के ठेकते एकदम मनमाना. हेब मिथिनाम्ब खेना सफिय कपे चानू भेन आ हो हो शुक छै.

8. मिथिना बाज के रँहला रँना हो हो क हेब स दनानी के नरका पठकथा निखा गेन छै. जंतब मंतब पब अतिनय सराद ठोंग सरँ चानू छै. लोक सरँ सेहो असनियत रँमह नगने जे दनानी के नरका नाम मिथिना बाज.

9. साहित्य अकादमी, मैथिली भोजपुरी अकादमी, मैथिली अकादमी पठना, समिति, लेखक संघ सरँ रबचस्वरादी दनान सरँहक अड्डा रँना देन गेलै. आ हेब मैथिली नामे एकाधिकार रँना नाभे नाभ. मैथिली के गिरोहरादी दनान सरँहक हाथ सोंप देन गेलै.

मिथिना मैथिली नामे चनकपनी:-

1. आम जन लोक समाज के हबदम भ्रम मे बाखन गेलै जे मिथिना मैथिली सरँहक हंग छै. आ मैथिली स नाभ ए दनान सरँ ठा कमागत बहन. आम जन के मिथिना मैथिली स कहियो ने जौवन गेलै.

विदेह:मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

2. छूठन रौबन नोक आ पछुथाएन, दनित रत्नक सुनियोजित रूपे हबदम वस्तु रोकरीक प्रयास केनक. तगयो चनकपनी जे हम कोनो वस्तु रोकने छिये ?
 3. मिथिना मैथिली नामे रौबन हाबन समाबन नोक सर ले खड़ा पेठेपौसुखा दनान सरके रिरोध केनके ? आ ले कबतो ? मंच नोभे नेथक तगमा नोभे ओहि दनान सरहक संस्था मे शामिल हो जेतो. ठुबी पाग पहिबने छिछिखने फिबतो.
 4. मिथिना मैथिली नामे रिद्यापति के धो पका के खाएँ रैचरँ आ सनहेशी नोड्ीक दिना भद्री आदी के कोनो चर्च ले कबत. तगयो होहकाबी जे मैथिली सरहक छिये. सोनकन सरँ खपना महाप्रकय के आयोजन ले कबतो हँ खनकब आयोजन मे माना पहिब पिछनगुआ होहकाबी रैनतो.
 5. मिथिना बने/मैथिली प्रकस्काव, किंदैन कहाँ प्रकस्काव रँठरीक खेन चंदा के धंधा केकरो स आरँ छुपित ले बहने. तगयो निर्ज्ज रँनन सरके भवमारँ जेते जे मैथिली सरहक ? आ चनकपनी क नाभ ने तूली सरँ ठा.
 6. मैथिली रौबहो रँवण के ले हूख देन गेलो आ चनकपनी केहेन जे हम केकरो कोनो वस्तु रोकने छिये ? तोबा एक के वस्तु रोक देन गेलो त रिरोध केने कवरिली तोरो एक दनाने संग भ जो आ गरँत बह मैथिली मे अहिना होगत एनेगए ?
- खड़ा दननपनी चनकपनी दुआरे मिथिना मैथिली खड रिखड होगत बहने. यथार्थ रूमेतो सरँ निरंदी माबने बछ. मिथिना के जनता जागकक भ गेन तहिया त खड़ा धूर्त सरहक दननपनी चनकपनी रँद भ जेते.

-डाँ किशिन कारीगब (मून नाम- डाँ प्रष्ठ कृमाव बाय)

ई वचनापव खपन मंतर editorial.staff.videha@gmail.com पब पठाड ।

विदेह:मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

संतोष कृपाव बाय 'रैठेली'

डायरी- 'नर यू टू'

27.02.2012 हरस : कृपाव परेम

अ हम की केनिये ? किछु नहि रूमनिये हम । परेम माने करीब साहसक परेम - 'निवाकाव' । कपलीन, गंधलीन परेम ! हरा माहिक परेम ! अग परेम मे जिस्म केब किछु दानि नहि गनतहि । रिशुअ आमो-पवमामो राना परेम ! पवथ मनुथ आओव मनुथ केब रीच परेम तँ जिस्मानी होएत छै ; जाहि मे देह मिनन केब उल्लख भेन छै । अ 'लौकिक' परेम छियेय ।

नली हमव परेम के 'हरस' केब संज्ञा देनक । ओ कहनीह -" आप पागन हो । "हम सबिपहुँ पागन छनहुँ ओकवा परेम मे । उ परेम 'पावनौकिक छेनेक आ कि जिस्मानी ' से अतिहास आओव समय पव छोड़ि दैत छियेय । अगव मनुथ-मनुथ के रीच अथरा नव- मादा केब रीच जिस्मानी परेम छै, तँ ओ गनत नहि छै । जिस्मानी परेम मे दैहिक आगि के रूमोले गनत नहि छै । हरस ओ शिछ थिक जाहि मे रैनजोरी जिस्मानी मेन होएत ।

सहमति माने आँखि केब अशावा एरं मोनक निःशेछ सहमति 'लौकिक' परेम छियेय, 'हरस' नहि । नली हमवा पव हरस के आरोप नगोनीह । बाति मे मैसेज मे ओ 'हरस' के आरोप नगोनीह । हम रैडि निवाशी भेनहुँ अछि । मोन दुखि भयन । अ हम की क देनिये । रैडि पैघ पाप हमवा सँ भ गेन मने । पवथ नली हमवा रीच तँ जिस्मानी मेन नहि भेन छन । हम नली के 'किस' ठा केने बहिये । तँ की नली ओकरे 'हरस' कहि बहन अछि आओव हमवा पव मिथा आरोप । हमवा मूठमूठ के हरसी रैना बहन अछि ।

हम अपना के पापी मानि क 'हूसी' पव चढ़रा नेन तैयाव छी ,अगव अपन प्रेमिका के 'किस' कबने माने हरस होएत छै तँ ? हम कथनहुँ अ पक्ष मे नहि छनहुँ जे नली के देह सँ हमवा खेनराक अछि, ओकवा अपरित कबरक अछि ।

विदेह:मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

ओकवा मोनक अपमान कबरक अछि । ओकवा कोनहुँ हिविशीन कबरक अछि । हमब परेम रिश्वर परित्र छन । कोनहुँ दैहिक संस्रान नहि । ' किस' नमस्तु- सनाम केब एकठा भाषा छियेय जे भावतीय आओव मैथिल लोकनि केँ रूमरा मे अखनो धरि ठाण्ठम नगतेन्ह । नली राँद मे रूमि जेतीह जे हरस किछ आओव होएत छै । ओ हबदा होएत छै । हरसी मृत लोकनि छथि - ' संवेदनहीन' मनुषक देह मे मानजान छथि ओ हरसी लोकनि ।

23.04.2012 नली माँगा छै

हम ओकवा नहि भूनि सकैत छियेय । ओ हमब सभ किछ छथि । माँ केँ समानुब तँ कियो नहि छथि अग दुनिया मे हमब, पवथ माँ केँ राँद ओकव जगह हमब दिन मे जकब रूमि गेन छै । ओ हमबा नेन हिविशीन छथि, तँ हम ओकवा नेन हिविशीन छी । ओ हन रोग छियेय जकब अनाज राँहब नहि छै । ओकव अनाज अंदब छै । मिनन ओकव अनाज छियेय माने । रिछोह ओकव रैमावी । सचहो कतौ नबक होएत छै ।

बाजघाँठ हमरो जिनगी मेँ अतिहास भ गेन अछि । हमब दुनियाँ सँ खुशी ओही दिन रीना गेन जहिया ओ कहनीहि - " अरँ कत्ती नही मिनूगी । " बाति मे ओकव मैसेज हमबा रेदना केब सागब मे डूरी देनक । हमब रिहंसब ओकवा कान केनिये, पवथ ओ कान बिसीर नहि केनीह । ओकवा हमब कोनहुँ पवराह नहि छै । हम मरि या जीरि से हम रूमियो । अतक कठोब ! ! महा-कठोब ! ! !

ओ हमबा निखनीहि - " . " ओ हमबा सँ परेम करैत छनीह ; हमबा सभ किछ मानैत छनीह । आजू ओ कसि गेन छथि । ओ आरँ हमबा सँ गप्प नहि कबतीह । भ सकैत अछि ओकव नरका दुनिया मे हमब कोनहुँ जगह नहि छै । ओकव अग दुनिया मे सभ कियो हेताह- हेतीह, पवथ हम ओकव आरँ नहि होएरँ किछ ।

ओ रैनारठी दुनिया हेते जाहि मे ओ जीरै केब नाँक कबतीह । ओ सभहक सोमा मे हंसराक अभिनय कबतीह । ओ हंसनागा प्रप्रिम हेते । असनी खुशी ओही मे नहि होएते । पति तँ ओकवा भेटैते ,पवथ प्याब नहि । मिनूब केँ कावण हक तँ मिनते,

विदेह:मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका विदेह:मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् "विदेह" ३४५ म अंक ०१ मई २०२२ (वर्ष १५ मास १७३ अंक ३४५)
पबन्ध परेमक एहसास नहि । अ जिनगी दोजथ सन होएते । समय रैनरान होएत
छै । समय ओकरा ' सच ' रैतेते ।

(डायरी केव रौकी अंश अगिना थैप मे)

-संतोष कुमार बाय ' रैठेली ', ग्राम - मंगरौना

अपन मंतरा editorial.staff.videha@gmail.com पब पठाऊ ।

संघ लोक सेवा आयोग/ रिहाय लोक सेवा आयोगक परीक्षा लेन मैथिली (अनिरार्य
आ ऐहिक) आ आन ऐहिक रिषय आ सामान्य ज्ञान (अंग्रेजी माध्यम) हेतु सामिग्री

[STUDY MATERIALS FOR UPSC (UNION PUBLIC SERVICE
COMMISSION) & BPSC (BIHAR PUBLIC SERVICE COMMISSION)
EXAMS – MAITHILI (COMPULSORY & OPTIONAL) AND OTHER
OPTIONALS AND GENERAL STUDIES (ENGLISH MEDIUM)]

Videha e-Learning

विदेह:मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्



पेठाव (बिसोर्स सेन्टव)

शेद्ध-र्याकवण-अतिहास

MAI THI LI I DI OMS & PHRASES मैथिली झहारवा एरम् नोकोजि शकाशि-
बमाकात्र मित्र मित्रिब (थाँटी प्रराहयज मैथिली निखरामे सहायक)

डॉ. ननिता मा- मैथिलीक भोजन सम्वन्धी शेद्धारन ी (थाँटी प्रराहयज मैथिली निखरामे सहायक)

मैथिली शेद्ध संचय MAI THI LI DI CTI ONARY- RAMDEO J HA (थाँटी प्रराहयज मैथिली निखरामे सहायक)

ENGLI SH MAI THI LI COMPUTER DI CTI ONARY

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

MAI TH I L I _ E N G L I S H _ D I C T I O N A R Y

अशिमा सिंह -Shi shu _Geet _Khel _Ani ma _Si ngh

डॉ. बमश सा

मैथिली कार्यामे अनर्कब अनर्कब-भास्कर

आनन्द मिश्र (सौजन्य श्री बमानन्द सा "बमश")- मिथिला भाषाक स्वरोध र्याकबश

BHOLALAL DAS मैथिली स्वरोध र्याकबश- भोला नान दास

बाधाप्रज्ञा चौधरी- A Survey of Maithili Literature

.....
मूनपाठ

तिवहता निपिक उद्धर ओ रिकास (यू.पी.एस.सी. सिनेरैस)

बाजेश्वर सा- मिथिलाक्षरक उद्धर ओ रिकास (मैथिली साहित्य संस्थान आर्काइव)

Surendra Jha Suman दत्त-रती (मून)- श्री सुरेन्द्र सा सुमन (यू.पी.एस.सी. सिनेरैस)

प्ररंख संग्रह- बमानाथ सा (रौ.पी.एस.सी. सिनेरैस) CIIL SITE

.....
समीक्षा

सुभाष चन्द्र यादव-बाजकमन चौधरी: मोनोग्राफ

शिर क्माव सा "ठिन्नु" अश्व-समानोचना

डॉ. रैचेश्वर सा- B _J HA _Ni bhand _Ni kunj .pdf

डॉ. देवशैकव नरीन- Adhuni k _Sahi tyak _Pari dri shya

डॉ. बमश सा- भिन्न-अभिन्न

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

प्रेमशेखर सिंह- मैथिली भाषा साहित्य: रीसम शिताई (आलोचना)

डॉ. बमानन्द झा 'बमश'

हिताउन

अध्यासन CIIL SITE

दुर्गानन्द मन्दन-चम्पू

RAMDEO J HA दुष्ट-रतिक रस कौशिक- डॉ. श्रीवामदेवमा

SHAI LENDRA MOHAN J HA पवित्र निचय- डॉ. शैलेन्द्र मोहन झा

अतिविज्ञ पाठ

पहिले मिथिला मैथिलीक सामान्य जानकारी लेन एहि पोथी केँ पढ़ू:-

बाधाग्रस्त चौधरी- मिथिलाक इतिहास

हेब एहि मननगू हागन सभकेँ सेहो पढ़ू:-

केदाबनाथ चौधरी

चमेनीबानी

माहब

कबाब

हमब परन

पगठ (मैथिलीक सरश्रेष्ठ कथा) (साभाव अंतिका)

दायबीक खाली पन्ना (साभाव

यागेन्द्र पाठक रियागौ- रिज्ञानक रतकरी

बामनोचन ठाकुर- मैथिली लोककथा

SAHI TYA AKADEMI

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम

मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् "विदेह" ३४५ म अंक ०१ मई २०२२ (वर्ष १५ मास १७३ अंक ३४५)

<http://sahitya-akademi.gov.in/publications/e-books.jsp>

<http://sahitya-akademi.gov.in/general/Digitalbooks.jsp>

CIIL

<http://corpora.ciil.org/maisamhtm>

अस्थियासन (बमानन्द सा बमण)

<http://corpora.ciil.org/pdf/maidhili/pdf/MAI1.pdf>

जुआयन कनकनी- महेन्द्र

<http://corpora.ciil.org/pdf/maidhili/pdf/MAI2.pdf>

प्ररैरु संग्रह- बमानाथ सा (बी.पी.एस.सी. सिनेरैस)

<http://corpora.ciil.org/pdf/maidhili/pdf/MAI3.pdf>

सृजन केव दीप पर- सं केदाव कानन आ खबरिन्द ठारुव

<http://corpora.ciil.org/pdf/maidhili/pdf/MAI4.pdf>

मैथिली गद्य संग्रह- सं शैलेन्द्र मोहन सा

<http://corpora.ciil.org/pdf/maidhili/pdf/MAI5.pdf>

JNU

<http://sanskrit.jnu.ac.in/maithili/index.jsp>

http://sanskrit.jnu.ac.in/student_projects/lexicon.jsp?lexicon=maithili

ARCHIVE.ORG

https://archive.org/details/%40vijay_deo_jha?&sort=-publicdate&page=2

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

ISSN 2229-547X VIDEHA

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम

मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् "विदेह" ३४५ म अंक ०१ मई २०२२ (वर्ष १५ मास १७३ अंक ३४५)

VI DEHA MAI THI LI BOOKS / PI CTURE -AUDI O-VI DEO ARCHI VE

http://videha.co.in/new_page_15.htm

<https://sites.google.com/a/videha.com/videha-pot hi />

ALL I NDI A RADI O DOORDARSHAN आकाशवाणी दूरदर्शन

<http://prasarbharati.gov.in/>

<http://news onair.com/>

<https://doordarshan.gov.in/>

आकाशवाणी मैथिली

पौडकास्ट <http://prasarbharati.gov.in/podcast.php?filterlang=Maithili&from=1947-08-15&fromwp=2020-08-29&to=2050-12-31&search=GO>

आकाशवाणी पठना/ दूरदर्शन मैथिली रेजनल न्यूज टेक्स्ट डाउनलोड-

1 <http://news onair.com/RNU-NSD-Audio-Archive-Search.aspx>

आकाशवाणी पठना/ दूरदर्शन मैथिली रेजनल न्यूज टेक्स्ट डाउनलोड-

2 <http://news onair.com/Regional-Text.aspx>

आकाशवाणी

दूरदर्शन <http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=282>

आकाशवाणी दूरदर्शन यू ट्यूब

चैनल <https://www.youtube.com/channel/UCGdNveEFm4pPolWTEMxVA>

आकाशवाणी

भाषासंवा <http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=359>

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

वि दे ह विदेह Videha विदेह <http://www.videha.co.in> विदेह प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका Videha Ist Maithili Fortnightly ejournal विदेह प्रथम

मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानवीयता संस्कृतम् "विदेह" ३४५ म अंक ०१ मई २०२२ (वर्ष १५ मास १७३ अंक ३४५)

आकाशवाणी

प्रसारणा <http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=256>

आकाशवाणी

पठन <http://prasarbharati.gov.in/playersource.php?channel=122>

IGNCA

<http://ignca.nic.in/coilnet/maithila.htm>

<http://ignca.nic.in/coilnet/kalyani.htm> (MAITHILI ENGLISH DICTIONARY)

<http://tdil.mit.gov.in/CoilNet/IGNCA/maithila.htm>

MAITHILA DARSHAN

<https://maithiladarshan.com/> (online pdf of Maithili journal)

I LOVE MAITHILA

<https://www.ilovemithila.com/> (online maithili journal)

मैथिली साहित्य संस्थान

<https://www.maithilisahityasansthan.org/>

<https://www.maithilisahityasansthan.org/resources> (online pdf of Research Papers/ books)

.....

VIDEHA e-LEARNING YOUTUBE CHANNEL

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानवीयता संस्कृतम्

ISSN 2229-547X VIDEHA

https://www.youtube.com/channel/UC4abVKqMj_2pDW_AkXi_OHp7A

रिदेहक किछु रिशेषाक:-

१) हागकु रिशेषाक १२ म अंक, १३ जून २००४

[Vi deha_15_06_2008.pdf](#)

[Vi deha_15_06_2008_Ti r hut a.pdf](#) [12.pdf](#)

२) गजन रिशेषाक २१ म अंक, १ नरम्ब २००४

[Vi deha_01_11_2008.pdf](#)

[Vi deha_01_11_2008_Ti r hut a.pdf](#) [21.pdf](#)

३) रिहनि कथा रिशेषाक ७१ म अंक, १ अक्टूबर २०१०

[Vi deha_01_10_2010](#)
[67](#)

[Vi deha_01_10_2010_Ti r hut a](#)

४) रौन साहित्य रिशेषाक १० म अंक, १३ नरम्ब २०१०

[Vi deha_15_11_2010](#)
[70](#)

[Vi deha_15_11_2010_Ti r hut a](#)

५) नाटक रिशेषाक १२ म अंक १३ दिसम्बर २०१०

[Vi deha_15_12_2010](#)
[72](#)

[Vi deha_15_12_2010_Ti r hut a](#)

६) नावी रिशेषाक ११म अंक ०१ मार्च २०११

[Vi deha_01_03_2011](#)
[77](#)

[Vi deha_01_03_2011_Ti r hut a](#)

१) अन्नराद रिशेषाक (गद्य-पद्य भावती) ११म अंक

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

Vi deha _01 _01 _2012 Vi deha _01 _01 _2012 _Ti r hut a

9

7

+) रौन गजन विशेषांक विदेहक अंक १११ म अंक, १ अगस्त २०१२

Vi deha _01 _08 _2012

Vi deha _01 _08 _2012 _Ti r hut a

111

९) भजि गजन विशेषांक १२७ म अंक, १३ मार्च २०१३

Vi deha _15 _03 _2013

Vi deha _15 _03 _2013 _Ti r hut a

126

१०) गजन आलोचना-समालोचना-समीक्षा विशेषांक १४२ म, अंक १३ नवम्बर २०१३

Vi deha _15 _11 _2013

Vi deha _15 _11 _2013 _Ti r hut a

142

११) काशीकांत मिश्र मधुप विशेषांक १७९ म अंक १ जनवरी २०१३.

Vi deha _01 _01 _2015

१२) अवरिन्द ठाकुर विशेषांक १८९ म अंक १ नवम्बर २०१३.

Vi deha _01 _11 _2015

१३) जगदीश चन्द्र ठाकुर अर्धिन विशेषांक १९१ म अंक १ दिसम्बर २०१३.

Vi deha _01 _12 _2015

१४) विदेह सम्मान विशेषांक- २००म अंक १३ अर्धिन २०१७/ २०३ म अंक १ जुनाई २०१७

Vi deha _15 _04 _2016

Vi deha _01 _07 _2016

विदेह:मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

१३.) मेथिनी सी.डी./ अन्तरिम गीत संगीत विशेषांक- २११ म अंक ०१ जनवरि २०११

Vi de ha _01_01_2017

१३) मेथिनी रेर पत्रकाविता विशेषांक

VI DEHA 313

नेथकसं आर्मात्रित बचनापव आर्मात्रित आनोचकक टिप्पणीक शृंखना

११) मेथिनी रीहनि कथा विशेषांक-२

VI DEHA 317

१४) बामनोचन ठाकुर विशेषांक

VI DEHA 319

१६) बामनोचन ठाकुर श्रृंखलाजनि विशेषांक

VI DEHA 320

२०) बाजनन्दन नान दास विशेषांक

VI DEHA 333

नेथकक आर्मात्रित बचना आ ओगपव आर्मात्रित समीक्षकक समीक्षा सीरीज

१. कामिनीक पाँच ठाँ करिता आ ओगपव मधुकान्त नाक टिप्पणी

विदेहक दू सए नौम अंक Vi de ha _01_09_2016

"पाठक हमव पोथी किए पठथि"- नेथक द्वारा अप्पन पोथी/ बचनाक समीक्षा सीरीज

१. आशीष अनचिन्ताव 'विदेह' क ३२१ म अंक ०१ अगस्त २०२१

एडिटरस चोगस सीरीज

विदेह:मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

एडिटरस चोगस सीरीज-१

रिदेहक १२३ म (०१ फेब्रुवरी २०१३) अंकमे रँनाकोवपव मैथिलीमे पहिन करिता प्रकाशित भेल छल । ए दिससँ २०१२ क दिल्लीक निर्भया रँनाकोव काल्पक रौदक समय छल । ओना ए अनूदित बचना छल, तेब्रगमे पसुपुनेष्टी गीताक एहि करिताक हिन्दी अनुराद केने छनीह आब, शीता सुन्दरी आ हिन्दीसँ मैथिली अनुराद केने छनीह रिनीत छपेल । हमब जानकारीमे एहिसँ रँशी मिहवारैरँना करिता कोनो भाषामे नहि बचन गेल अछि । सात सानक रौदो ए समझा ओहने अछि । ए करिता सभकेँ पढ़ाक चाही, खास क२ सभ रँशीक रौपकेँ, सभ रँहिनक भाएकेँ आ सभ पनीक पतिकेँ । आ रिचावराक चाही जे हम सभ अपना रँचा सभ नेन केहन समाज रँनेने छी ।

एडिटरस चोगस सीरीज-१ (डाउनलोड लिंक)

एडिटरस चोगस सीरीज-२

रिदेहक ३०-१०० म अंकक रीच ब्रैस्ट कैसबक समझापव रिदेह मे मीना मा केब एकठा नघू कथा प्रकाशित भेल । ए मैथिलीक पहिन कथा छल जे ब्रैस्ट कैसब पव निखन गेल । हिन्दीमे सेहो ताधवि एहि रिषयपव कथा नहि निखन गेल छल, काबए एहि कथाक ए-प्रकाशित भेनाक १-२ सानक रौद हिन्दीमे दू गोठेमे घोघाउज भ२ बहन छल कि पहिन हम आकि हम, झुदा दूनुक तिथि मैथिलीक कथाक पवरती छल । रौदमे ए रिदेह नघू कथामे सेहो संकनित भेल ।

एडिटरस चोगस सीरीज-२ (डाउनलोड लिंक)

एडिटरस चोगस सीरीज-३

रिदेहक ३०-१०० म अंकक रीच जगदीश चन्द्र ठाकुर अनिनक किछ रौन करिता प्रकाशित भेल । रौदमे हुनकब ३ ठाँ रौन करिता रिदेह शिषु उमेरमे संकनित भेल जाहिमे २ ठाँ करिता रँरी चागनडपव छल । पढ़ू ए तीनु करिता, रौदक दूनु रँरी चागनडपव निखन करिता पढ़ै ठाँ कक से आग्रह ।

एडिटरस चोगस सीरीज-३ (डाउनलोड लिंक)

एडिटरस चोगस सीरीज-४

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

रिदेहक ३०-१०० म अंकक रीच जगदानन्द या मनुषक एकठा दीर्घ रान कथा कहि निथ रौ उपन्यास प्रकाशित भेल, नाम छन चोनहा । रौदमे ई बचना रिदेह शिशु उमेरमे संकनित भेल, ई बचना रान मनोरिज्ञानपब आधारित मैथिलीक पहिन बचना छी, मैथिली रान साहित्य कोना निथी तकव ट्रेनिंग कोर्समे एहि उपन्यासकेँ बाखन जेरौक चाही । कोना मॉडर्न उपन्यास आगाँ रूढ़ छै, स्तूप रौग स्तूप आ सेहो रान उपन्यास । पढ़ेँ ठाँ कक से आग्रह ।

एडिर्स चोगस सीरीज-४ (डाउनलोड लिंक)

एडिर्स चोगस सीरीज-३

एडिर्स चोगस ३ मे मैथिलीक "उमने कहा था" माने हमाव परनक दीर्घकथा "पगठ" (साभाव अंतिका) । हिन्दीक पाठक, जे "उमने कहा था" पढ़ने हेता, केँ रूमन छुहि जे कोना अहि कथाकेँ बचि चन्द्रधर शर्मा 'गुनेरी' अमर भन्ने गेनाह । हम चर्चा क२ बहन छी, हमाव परनक "पगठ" दीर्घकथाक । एकवा पढ़नाक रौद अहाँकेँ एकठा रिचित, सुखद आ मोन होन करैरना अन्तर भेटैत, जे सेकूपीविखन ट्रेजेडी सँ मिनितो नागत आ हवाको । हूदा एहि बचनाकेँ पढ़नाक रौद तामस, घृणा सभपब नियंत्रणकेँ आ सामाजिक/ पाबिराबिक दायित्वकेँ सेहो अहाँ आब गंभीरतासँ नेरै, से धबि पक्का अछि । हूदा एकव एकठा शीर्ष अछि जे एकवा समे निकानि क२ एक्क उँखइ हाँमे पढ़ि जाग ।

एडिर्स चोगस सीरीज-३ (डाउनलोड लिंक)

एडिर्स चोगस सीरीज-३

जगदीश प्रसाद मन्दनक नयूकथा "रिसाई": १९४२-४३ क अकानमे रँगानमे १३. नाथ नोक हूगना, हूदा अमर सैन निथैत छथि जे हुनकव कोनो सब-समझी एहि अकानमे नहि मबनहि । मिथिनोमे अकान आँन १९७१ ई. मे आ गन्दिबा गाँधी जखन एहि फ्रेव्र अनी तँ हुनका देखाउन गेल जे कोना हूमरव जातिक नोक रिसाई था क२ एहि अकानकेँ जीति नेनहि । मैथिलीमे लेखनक एकलगाह स्थिति रिदेहक आगमनसँ पहिने छन । मैथिलीक लेखक नोकनि सेहो अमर सैन जेकाँ ओहि महारिजीषिकसँ प्रभावित नहि छना आ तेँ रिसाईपब कथा नहि निथि सकना । जगदीश प्रसाद मन्दन एहिपब कथा निथनहि जे प्रकाशित भेल चेतना समितिक पत्रिकामे, हूदा कार्यकारी सम्पादक द्वारा रत्नी पबिरत्नक कावण ओ मैथिलीमे नहि रवण अरहठुमे निथन रूमा पढ़न, आ ओतेक प्रभारी नहि भन् सकन कावण रिषय बहे थाँठी आ रत्नी प्रतिम । से एकव पुनः ई-विदेह:मैथिली साहित्य आन्दोलन



प्रकाशिन अखन असनी कपमे भेन रिदेहमे आ आ संकनित भेन "गामक जिनगी" नमूकथा संग्रहमे । एहि पोथीपव जगदीश प्रसाद मन्दनकेँ टैगोव निठरेचव अरार्ड भेठननि । जगदीश प्रसाद मन्दनक लेखनी मैथिली कथाधारकेँ एकलगाह हेरासँ रँचा नेनक, आ मैथिलीक समानासुब अतिहासमे मैथिली साहित्यकेँ दू कानखन्डमे रौंठि क२ पढ़ए जाए नागन- जगदीश प्रसाद मन्दनसँ पूर् आ जगदीश प्रसाद मन्दन आगमनक रौंद । तँ प्रसुत अछि नमूकथा रिसाई- अखन स्रुचा सकपमे ।

एडिठर्स चोगस सीरीज-७ (डाउनलोड निंक)

एडिठर्स चोगस सीरीज-१

मैथिलीक पहिन आ एकमात्र दनित आमेकथा: सन्दीप कृमाव साहली । सन्दीप कृमाव साहलीक दनित आमेकथा जे अहाँकेँ अखन नमू आकाबाक अछिहिन हिनोई देत आ अहाँक आ स्थिति क२ देत जे समानासुब मैथिली साहित्य कतरौ पढ़ू अहाँकेँ अछिहिन नहि होयत । आ आमेकथा रिदेहमे आ-प्रकाशित भेनाक रौंद लेखकक पोथी "रैशोथमे दनानपव"मे संकनित भेन आ आ मैथिलीक अखन धरिक एकमात्र दनित आमेकथा थिक । तँ प्रसुत अछि मैथिलीक पहिन दनित आमेकथा: सन्दीप कृमाव साहलीक कनमसँ ।

एडिठर्स चोगस सीरीज-१ (डाउनलोड निंक)

एडिठर्स चोगस सीरीज-+

नेना भुठकारकेँ बातिमे सनेरौ नेन किछ लोककथा (रिदेह पेठावसँ) ।

एडिठर्स चोगस सीरीज-+ (डाउनलोड निंक)

एडिठर्स चोगस सीरीज-६

मैथिली गजनपव पविचर्चा (रिदेह पेठावसँ) ।

एडिठर्स चोगस सीरीज-६ (डाउनलोड निंक)

जगदीश प्रसाद मन्दन जीक ७३ ठाँ पोथीक नर संस्करण रिदेहक २३३ सँ २३० धरिक अंकमे धारावाहिक प्रकाशिन नीचाँ निंकपव पढ़ू :-

Vi de ha _15_05_2018

विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

Vi deha_01_05_2018

Vi deha_15_04_2018

Vi deha_01_04_2018

Vi deha_15_03_2018

Vi deha_01_03_2018

Vi deha_15_02_2018

Vi deha_01_02_2018

Vi deha_15_01_2018

Vi deha_01_01_2018

Vi deha_15_12_2017

Vi deha_01_12_2017

Vi deha_15_11_2017

Vi deha_01_11_2017

Vi deha_15_10_2017

Vi deha_01_10_2017

Vi deha_15_09_2017

Vi deha_01_09_2017

विदेह ई-पत्रिकाक रीडन बचनाक संग-
मैथिलीक सर्वांगीण बचनाक एकठा समानानुब संकलन:

विदेह: सदेह: ९ (२००४-०९) देरनागरी

विदेह: सदेह: ९ (२००४-०९) तिबहुता

विदेह:मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

रिदेह:सदेह:२ (मैथिली प्रश्न-निर्णय-समानोचना २००९-१०) देरनागरी

रिदेह:सदेह:२ (मैथिली प्रश्न-निर्णय-समानोचना २००९-१०) तिवहता

रिदेह:सदेह:३ (मैथिली पद्य २००९-१०)देरनागरी

रिदेह:सदेह:३ (मैथिली पद्य २००९-१०) तिवहता

रिदेह:सदेह:४ (मैथिली कथा २००९-१०)देरनागरी

रिदेह:सदेह:४ (मैथिली कथा २००९-१०) तिवहता

रिदेह मैथिली रिहनि कथा [रिदेह सदेह ३]देरनागरी

रिदेह मैथिली रिहनि कथा [रिदेह सदेह ३] तिवहता

रिदेह मैथिली रिहनि कथा [रिदेह सदेह ३]- दोसव संस्करण देरनागरी

रिदेह मैथिली नघुकथा [रिदेह सदेह ७]देरनागरी

रिदेह मैथिली नघुकथा [रिदेह सदेह ७] तिवहता

रिदेह मैथिली पद्य [रिदेह सदेह १]देरनागरी

रिदेह मैथिली पद्य [रिदेह सदेह १] तिवहता

रिदेह मैथिली नाट्य उमेर [रिदेह सदेह +]देरनागरी

रिदेह मैथिली नाट्य उमेर [रिदेह सदेह +] तिवहता

रिदेह मैथिली शिशु उमेर [रिदेह सदेह ९]देरनागरी

रिदेह मैथिली शिशु उमेर [रिदेह सदेह ९] तिवहता

रिदेह मैथिली प्रश्न-निर्णय-समानोचना [रिदेह सदेह १०]देरनागरी

रिदेह मैथिली प्रश्न-निर्णय-समानोचना [रिदेह सदेह १०] तिवहता

विदेह:मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

रिदेह:सदेह ११

रिदेह:सदेह १२

रिदेह:सदेह १३

T

"

"

"

"

t h e

s . -

E d i t o r

Maithili Books can be downloaded from

<https://sites.google.com/a/videha.com/videha-pot hi />

रिदेह सम्मान: सम्मान-सूची (समानानुब साहित्य अकादेमी प्रबन्धक सहित)

सूचना/ घोषणा

"रिदेह सम्मान" समानानुब साहित्य अकादेमी प्रबन्धक नामसँ प्रचलित अछि । "समानानुब साहित्य अकादेमी प्रबन्धक" (मैथिली), जे साहित्य अकादेमीक मैथिली विभागक गएव सांरिधानिक काजक विरोधमे श्रव कएन छन, तेन अन्वर्षसा आमन्त्रित अछि ।

अन्वर्षसा २०१९ आ २०२० रँथ तेन निम्न कोठि सभमे आमन्त्रित अछि:

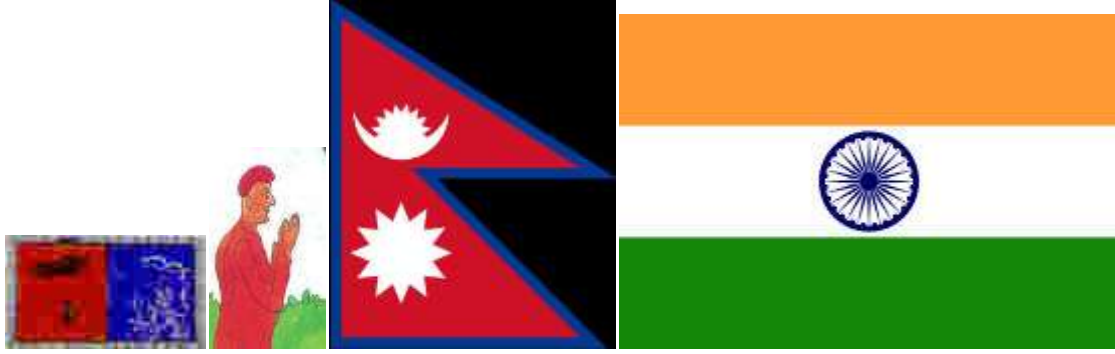
- १) फेनो
- २)मून प्रबन्धक
- ३)रौन-साहित्य
- ४)यरा प्रबन्धक आ
- ५) अन्वराद प्रबन्धक ।

विदेह:मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

प्रबन्धकावक सभ फागठेबिया साहित्य अकादेमी, दिल्लीक समानांतर प्रबन्धकावक समक्ष बहत, जे एहि निंक sahitya-akademi.gov.in पब उपनद्ध अछि । अपन अनुरोध editorial.staff.videha@gmail.com पब पठाउ ।



विदेह:मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम्: VI DEHA: AN I D E A F A C T O R Y

(c) २००४-२०२२. सर्वाधिकार लेखकाधीन आ जतऽ लेखकक नाम ले अछि ततऽ संपादकाधीन । विदेह- प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका ISSN 2229-547X VI DEHAसंपादक: गजेन्द्र ठाकुर । सह-संपादक: डा॰ उमेश मंडल । सहायक संपादक: वाम रिनस साह, नन्द रिनस बाय, सन्दीप कुमार साहनी आ झुल्लुजो (मनोज कुमार कर्ण) । संपादक- नाटक-बंगमंच-चलचित्र- रैचन ठाकुर । संपादक- सूचना-सम्पर्क-समाद- पूनम मंडल । संपादक -स्त्री कोना- गवा मल्लिक ।

बचनाकाव अपन मौनिक आ अप्रकाशित बचना (जकर मौनिकताक संपूर्ण उत्तरदायित्व लेखक गणक मध्य छन्हि) editorial.staff.videha@gmail.com केँ मेन एक्स्टेन्सिबल फॉर्मेटमे पठा सकै छथि । एतऽ प्रकाशित बचना सभक कॉपीवागठ लेखक/संग्रहकर्ता लोकनिक नगमे बहतन्हि, मात्र एकव प्रथम प्रकाशक/ प्रिंटर-रेडर आर्काइवर/ आर्काइवर अनुरोध आ आर्काइवर ई-प्रकाशक/ प्रिंटर-प्रकाशक अधिकार ए ई-पत्रिकालेँ छै, आ से हानि-नाश बहित आधावपब छै आ तेँ ए नैन कोनो बायलेटिक/ पाबिशेमिकक प्रार्थन ले छै । तेँ बायलेटिक/ पाबिशेमिकक गड्डक विदेहसँ ले जुड़थि, से आग्रह । बचनाक संग बचनाकाव अपन संक्षिप्त परिचय आ अपन स्कैन कएन गेन होठे पठैताह, से आशी करैत छी । बचनाक अंतमे ठागप बहय, जे ई बचना मौनिक अछि, आ पहिन प्रकाशक हेतु विदेह (पाक्षिक) ई पत्रिकालेँ देन जा बहन अछि । मेन प्राप्त होयबौक बाद

विदेह:मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्

मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका रिदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन: मानुषीमिह संस्कृतम् 'विदेह' ३४५ म अंक ०१ मई २०२२ (वर्ष १५ मास १७३ अंक ३४५)

यथासंभर शीघ्र (सात दिनक भीतब) एकब प्रकाशिनक अंकक सूचना देन जायत ।
एहि ई पत्रिकारक शीमति नम्बरी ठाकुर द्वारा मासक ०९ आ १३ तिथिके ई प्रकाशित
कएन जागत अछि ।

(c) 2004-2022 सराधिकार सुरक्षित । रिदेहमे प्रकाशित सबटा बचना आ
आकगिरक सराधिकार बचनाकार आ संग्रहकर्ताक नगमे छन्हि । ३ जुनाई २००४ केँ
<http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> “भानसबिक गाछ”- मैथिली जानबृतसँ प्रारम्भ गर्ठबनेठपब मैथिलीक
प्रथम उपस्थितिक यात्रा रिदेह- प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका धरि पहुँचन अछि, जे
<http://www.videha.co.in/> पब ई प्रकाशित होगत अछि । आरँ “भानसबिक
गाछ” जानबृत 'रिदेह' ई-पत्रिकारक प्ररजाक संग मैथिली भाषाक जानबृतक
एग्रीगेटरक रुपमे प्रयाज भऽ बहन अछि । रिदेह ई-पत्रिका ISSN 2229-547X
VI DEHA



विदेह: मैथिली साहित्य आन्दोलन



मानुषीमिह संस्कृतम्